हिन्दी विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

एम.फिल./पीएच.डी. (कोर्स वर्क) पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र-I	साहित्य के अभिगम
प्रश्न-पत्र-II	तुलनात्मक साहित्य
प्रश्न-पत्र-III	शोध प्रविधि
वैकल्पिक	
प्रश्न पत्र IV (क)	मध्यकालीन साहित्य चिंतन
प्रश्न-पत्र- IV (ख)	आधुनिक भारतीय चिंतक
प्रश्न-पत्र- IV (ग)	अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य

प्रश्न-पत्र-I **साहित्य के अभिगम** **पूर्णांक : 75+25=100**

(Approaches to Literature)

इकाई-I	**साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि** ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विमर्श, वैचारिकी एवं सैद्धांतिकी साहित्य और अभिगम के अन्तःसंबंध	**20**
इकाई-II	**साहित्य अध्ययन की पद्धतियाँ** समाजशास्त्रीय सांस्कृतिक अन्तर-अनुशासनात्मक अंतर्पाठीय	**20**
इकाई-III	**आधुनिक साहित्य सिद्धांत- I** मार्क्सवाद मनोविश्लेषणवाद संरचनावाद	**20**
इकाई-IV	**आधुनिक साहित्य सिद्धांत –II** आधुनिकतावाद उत्तर-संरचनावाद उत्तर-आधुनिकतावाद	**15**

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	**25**	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	**75**	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

सन्दर्भ ग्रन्थ

इलेन मिकसिंस वुड और जॉन बेलेमी फोस्टर (सम्पा), इतिहास के पक्ष में, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली
क्रिस्टोफर कोडवेल, विभ्रम और यथार्थ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
गोपीचंद नारंग, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी, दिल्ली
ज्यां पॉल सार्त्र, एक्जिस्टेंशियलिज्म एंड ह्यूमन इमोशन, केसल, न्यूयॉर्क
नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
नामवर सिंह (संपा.), कार्ल मार्क्स: कला और साहित्य चिंतन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
निर्मला जैन और कुसुम बांठिया, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
निर्मला जैन, नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
पूरण चंद जोशी, अवधारणाओं का संकट, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
फ्रायड, मनोविश्लेषणवाद, राजपाल एंड संस, दिल्ली
मैनजर पाण्डेय, साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
मैनेजर पाण्डेय, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकूला
रवि श्रीवास्तव, उत्तर-आधुनिकता विभ्रम और यथार्थ, नेशनल पब्लिशिंग, जयपुर
रेनेवेलक और ऑस्टिन वारेन, साहित्य सिद्धांत, लोकभारती, इलाहाबाद
रेनेवेलक, हिस्ट्री ऑफ़ मॉडर्न क्रिटीसिस्म 1750-1950, येल यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यू हेवन
शिवप्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश में अस्तित्ववाद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
शिवकुमार मिश्र, मार्क्सवादी और साहित्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
शिवकुमार मिश्र, यथार्थवाद, मैकमिलन, दिल्ली
श्याम सुन्दर मिश्र, अस्तित्ववाद और साहित्य, पंचशील प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्न-पत्र-II **तुलनात्मक साहित्य** **पूर्णांक : 75+25=100**

इकाई-I **तुलनात्मक साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप** **20**

तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा
तुलनात्मक साहित्य का क्रमिक विकास
तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप
तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-II **भारतीय तुलनात्मक साहित्य** **20**

राष्ट्रीय साहित्य और विश्व साहित्य
भारतीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
तुलनात्मक अध्ययन के आयाम
साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ

इकाई-III **तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद** **20**

तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका एवं महत्त्व
विश्व साहित्य और अनुवाद
भारतीय तुलनात्मक साहित्य के विकास में अनुवाद की भूमिका
अनुदित साहित्य एवं तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

इकाई-IV **हिंदी साहित्य में तुलनात्मक अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र** **15**

(क) मध्यकालीन काव्य
(ख) आधुनिक काव्य
(ग) कथा साहित्य
(घ) नाट्य साहित्य

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	**25**	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	**75**	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

संदर्भ ग्रन्थ

अमिय देव और शिशिर कुमार दास, कंपैरेटिव लिटरेचर: थियरी एन्ड प्रैक्टिस, आईआईएएस, शिमला
इन्द्रनाथ चौधुरी, तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, कंसेप्ट , दिल्ली
इन्द्रनाथ चौधुरी, तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
उलरिख वेइस्तेइन, कंपरेटिव लिटरेचर एन्ड लिटरेरी थियरी, इंडियाना यूनिवर्सिटी प्रेस, इंडियाना
ए पोद्दार, इंडियन लिटरेचर, आईआईएएस, शिमला
के एम जॉर्ज (संपा.), कंपैरेटिव इंडियन लिटरेचर, मैकमिलन, दिल्ली
डॉ. नगेन्द्र, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली
नगेन्द्र, तुलनात्मक साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
न्यूटन पी. स्टाल्नेख्त हॉज फ्रेंज, कंपैरेटिव लिटरेचर: मेथड एन्ड पर्सपेक्टिव, इलिनॉय यूनिवर्सिटी प्रेस, इलिनॉय
रामविलास शर्मा, भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
शिशिर कुमार दास, ए हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
स्वप्न मजूमदार, कंपैरेटिव लिटरेचर: इंडियन पर्सपेक्टिव, प्रेस, कलकत्ता

प्रश्न-पत्र- III **शोध प्रविधि** **पूर्णांक : 75+25=100**

इकाई-I **अनुसंधान का स्वरूप एवं विकास** **20**

हिंदी अनुसंधान का क्रमिक विकास
अनुसंधान का स्वरूप
अनुसंधान के प्रकार
अनुसंधान और आलोचना
अनुसंधान की भाषा

इकाई-II **अनुसंधान की प्रविधि एवं पद्धति** **20**
विषय चयन
शोध की रूपरेखा
सामग्री संकलन
तथ्यानुसंधान और तथ्यपरीक्षण
उद्धरण एवं सन्दर्भ, ग्रन्थ सूची एवं परिशिष्ट
अनुसंधान की पद्धतियाँ

इकाई-III **पाठानुसंधान का स्वरूप, प्रविधि एवं समस्याएँ** **20**
पाठानुसंधान की अवधारणा
पाठ संकलन, पाठ चयन, पाठ निर्धारण
प्रामाणिक पाठ का निर्धारण
पाठानुसंधान संबंधी समस्याएँ

इकाई-IV **कम्प्यूटर अनुप्रयोग** **15**
कम्प्यूटर: परिचालन एवं भाषिक अनुप्रयोग
इंटरनेट का उपयोग
भाषा संबंधी सॉफ्टवेयर, यूनिकोड एवं फॉन्ट
एम.एस.वर्ड और एम.एस. पॉवर प्वाइंट
पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	**25**	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	**75**	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

10 अंक का अवधि पत्र आतंरिक मूल्यांकन का होगा.
15 अंक का सेमिनार पत्र पीपीटी माध्यम द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा.

सन्दर्भ-ग्रन्थ

एस एस गणेशन, अनुसंधान प्रविधि: सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती, इलाहबाद
एस. एम. कात्रे, भारतीय पाठालोचन की भूमिका, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
जिना ओ'लियरी, रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, सेज भाषा, दिल्ली
तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
देवराज उपाध्याय, साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान
नगेन्द्र, शोध सिंद्धांत, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
पैम डेनिकोलो और लुसिंडा बेकर, शोध प्रस्ताव कैसे करें तैयार, सेज भाषा, दिल्ली
मिथिलेश कांति और विमलेश कांति, पाठालोचन: सिद्धांत और प्रक्रिया, नवीनतम प्रकाशन, दिल्ली
रंजीत कुमार, शोध कार्य प्रणाली, सेज भाषा, दिल्ली
रामुकमार खंडेलवाल और चन्द्रभान रावत, शोध प्रविधि और प्रक्रिया, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
वासुदेव मूर्ति, प्रभावपूर्ण प्रस्ताव लेखन, सेज भाषा, दिल्ली
विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
स.भ.ह. राजूरकर और राजमल बोरा, हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
सत्येन्द्र, अनुसंधान, नन्द किशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी
सावित्री सिंहा और विजयेन्द्र स्नातक, अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
सियाराम तिवारी, पाठानुसंधान, स्मृति प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्न पत्र IV (क) मध्यकालीन साहित्य चिंतन पूर्णांक : 75+25=100

इकाई-I **मध्यकालीन साहित्य चिंतन : स्वरूप एवं विकास** 20

मध्यकाल का सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य
मध्यकालीन साहित्य चिंतन का स्वरूप
मध्यकालीन साहित्य का विकास

इकाई-II **भक्ति का स्वरूप एवं दर्शन** 20

भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
भक्ति के विभिन्न संप्रदाय एवं दर्शन
भक्ति और रहस्यवाद
अद्वैतवाद एवं सूफी दर्शन

इकाई-III **मध्यकाल का साहित्य और उसके प्रमुख आचार्य** 20

संस्कृत की साहित्यशास्त्रीय परंपरा और रीतिकाव्य
मध्यकालीन साहित्य का वैशिष्ट्य
रीतिकालीन काव्य की विविधता
दरबारी संस्कृति और रीति काव्य
केशवदास, चिंतामणि, मतिराम, भिखारीदास, जसवंत सिंह

इकाई-IV **मध्यकाल सम्बन्धी चिंतक** 15

आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा और डॉ. नामवर सिंह

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	25	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	75	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

सन्दर्भ ग्रन्थ

चंद्रबली पाण्डेय, तस्सवुफ़ अथवा सूफी मत, नन्द किशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी
चंद्रबली पाण्डेय, हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान, नन्द किशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी
त्रिभुवन सिंह, दरबारी संस्कृति और हिंदी मुक्तक, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
नगेन्द्र, रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
नित्यानंद तिवारी, मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
प्रेमशंकर, भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
प्रेमशंकर, भक्तिकाव्य की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
माधव हाड़ा, पचरंग चोला पहन सखी री, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
मुजीब रिज़वी, पद्मावत और जायसी की दुनिया, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मैनैजर पाण्डेय, भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
रामपूजन तिवारी, सूफीमत: साधना और साहित्य. ज्ञानमंडल, वाराणसी
रामविलास शर्मा, परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
रामविलास शर्मा, हिंदी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
विश्वनाथ त्रिपाठी, मीरा का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकवादी तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हजारी प्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीनबोध का स्वरूप, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्न पत्र IV ख) **आधुनिक भारतीय चिंतक** **पूर्णांक : 75+25=100**

इकाई I : **आधुनिक भारतीय चिंतक** 20

आधुनिक भारतीय चिंतन की पृष्ठभूमि
आधुनिक भारतीय चिंतन का स्वरूप
आधुनिक भारतीय चिंतन की मान्यताएँ
आधुनिक भारतीय चिंतन की सामाजिक भूमिका

ईकाई II : **भारतीय नवजागरण : राममोहन राय, ज्योतिबा फुले एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर** 20

राजा राममोहन राय : भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन परंपरा के व्याख्याकार
राममोहन राय का सामाजिक चिंतन
राममोहन राय के चिंतन का तत्कालीन समाज पर प्रभाव

ज्योतिबा फुले
सामाजिक चिंतन
स्त्री शिक्षा
सत्यशोधक समाज

रवीन्द्रनाथ टैगोर :
भारतीय नवजागरण एवं टैगोर के विचार
दार्शनिक मान्यताएँ
टैगोर की नैतिक दृष्टि, मानवतावाद एवं विश्व दृष्टि

ईकाई III : **स्वाधीनता आदोलन और स्वातंत्र्योत्तर भारत : गांधी और नेहरू** 20

महात्मा गांधी
सत्य और अहिंसा
सत्याग्रह और स्वराज की अवधारणा
जीवन दृष्टि और विश्व-दृष्टि

जवाहरलाल नेहरु
आधुनिक लोकतंत्र और नेहरु का समाजवाद
धर्मनिरपेक्ष राजनीति एवं समाज
नेहरु की विश्वदृष्टि
आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरु की भूमिका

ईकाई IV : **सामाजिक चिंतक के रूप में अम्बेडकर लोहिया और मौलाना आज़ाद** **15**

डॉ. भीमराव अम्बेडकर

वर्णव्यवस्था और जाति के आधुनिक व्याख्याकार

संवैधानिक लोकतंत्र

अम्बेडकर के राजनीतिक विचार एवं दृष्टि

डॉ. राम मनोहर लोहिया

स्वतंत्रता, लोकतंत्र और नया समाजवाद

इतिहास दृष्टि

जाति एवं स्त्री-प्रश्न

मौलाना आज़ाद

धर्म और संस्कृति संबंधी चिंतन

शिक्षा और समाज संबधी चिंतन

राजनीतिक चिंतन

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	**25**	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	**75**	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

सन्दर्भ ग्रन्थ

गिरिराज किशोर (संपा.), 'अकार' का लोहिया विशेषांक
अभय कुमार दुबे (संपा.), बीच बहस में सेकुलरवाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अभय कुमार दुबे (संपा.), लोकतंत्र के सात अध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अभय कुमार दुबे (संपा.), हिन्दी आधुनिकता: एक पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
ए आर देसाई, भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि, मैकमिलन, दिल्ली
ओंकार शरद, लोहिया: एक प्रामाणिक जीवनी, लोकभारती, इलाहाबाद
कार्तिक चन्द्र दत्त, राजा राममोहन राय, लोकभारती, इलाहबाद
क्रिस्टोफर जेफरलो, डॉ. आंबेडकर एंड अनटचेबिलिटी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
गेल ओम्वेट, अंबेडकर: प्रबुद्ध भारत की ओर, पेंग्विन इण्डिया, दिल्ली
जवाहरलाल नेहरू, हिन्दुस्तान की कहानी, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
टैगोर, राष्ट्रवाद, भारतीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
दीपक कुमार, दी त्रिशंकु नेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, (हिन्दी अनुवाद – त्रिशंकु राष्ट्र, राजकमल प्रकाशन) दिल्ली
धनंजय कीर, डॉ. अम्बेकर: लाइफ एंड मिशन, पोपुलर पब्लिकेशन, मुंबई
धनंजय कीर, महात्मा ज्योति राव फुले: फादर ऑफ़ दी इंडियन रेवोलूशन, पोपुलर पब्लिकेशन, मुंबई
पवन कुमार, भारत के मध्यवर्ग की अजीब दास्ताँ, राजकमल, दिल्ली
बी. आर. नंदा, नेहरू: विद्रोही व राजनेता, शृंग प्रकाशन, दिल्ली
महात्मा गांधी, सत्य के साथ मेरे प्रयोग, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
महात्मा गांधी, हिंद स्वराज, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
रजनी पाम दत्त, आज का भारत, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली
राम गोपाल यादव, डॉ लोहिया का समाजवाद, राजकमल, दिल्ली
रामचंद गुहा, मेकर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया, पेंग्विन, दिल्ली
सुमित सरकार, आधुनिक भारत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
सुशोभन सरकार, बंगाल में नवजागरण, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली
हरिहर दास, दी इंडियन रिनेसां एंड राजा राम मोहन राय, पॉइंटर पब्लिशर्स, जयपुर

वैकल्पिक प्रश्न पत्र IV (ग) अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य **पूर्णांक : 75+25=100**

इकाई-I **अस्मिता विमर्श की अवधारणा** **20**

अस्मिता का अर्थ
अस्मिता विमर्श : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
अस्मितावादी आन्दोलन
अस्मितावादी सैद्धांतिकी

इकाई-II **स्त्री विमर्श** **20**

स्त्री अस्मिता के आयाम
प्रमुख स्त्री विमर्शकार
स्त्री आन्दोलन : पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ
नवजागरण और स्त्री प्रश्न

इकाई-III **दलित विमर्श** **20**

दलित विमर्श का स्वरूप
दलित चिन्तक
दलित पैंथर
दलित सैद्धांतिकी

इकाई-IV **अस्मितामूलक साहित्य** **15**

आदिवासी साहित्य और आन्दोलन: आदिवासी नायक, प्रमुख साहित्यकार
प्रवासी साहित्य : आशय, स्वरूप, नोस्टैल्जिया, सामाजिक सांस्कृतिक संयोजन;
अन्य अस्मितामूलक साहित्य

अंक विभाजन		**पूर्णांक:**		**100**
आतंरिक मूल्यांकन	**25**	अवधि पत्र		10
		संगोष्ठी पत्र		15
सैद्धांतिक	**75**	प्रश्न xअंक = कुल अंक		
		आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 =	60
		टिप्पणी	3 x 5 =	15

सन्दर्भ ग्रन्थ

अभय कुमार दुबे (संपा.), आधुनिकता के आईने में दलित, लोक चेतना, दिल्ली
अर्चना वर्मा, अस्मिता विमर्श के स्त्री स्वर, मेधा बुक्स, दिल्ली
अर्जुन चव्हाण, विमर्श के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
ओमप्रकाश वाल्मीकि, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण, दिल्ली
केदार प्रसाद मीणा, आदिवासी: समाज, साहित्य और राजनीति, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
गंगा सहाय मीणा (संपा.), आदिवासी साहित्य विमर्श, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली
जयप्रकाश कर्दम, दलित साहित्य: सामजिक बदलाव की पटकथा, अमन प्रकाशन, कानपुर
दीपक कुमार और देवेंद्र चौबे, हाशिए का वृतांत, आधार प्रकाशन, पंचकूला
देवेन्द्र चौबे, आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरिएंट ब्लेकस्वान, हैदराबाद
प्रमोद रंजन आयवन कोसका (संपा.), बहुजन साहित्य की प्रस्तावना, फॉरवर्ड प्रेस, दिल्ली
रमणिका गुप्ता (संपा.), आदिवासी समाज और साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली
रमणिका गुप्ता, आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
रमणिका गुप्ता, स्त्री विमर्श: कलम और कुदाल के बहाने, शिल्पायन, दिल्ली
राजेंद्र यादव, आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
विमल थोरात एवं सूरज बड़त्या, भारतीय दलित साहित्य का विद्रोही स्वर, रावत प्रकाशन, दिल्ली
सिमोन द बोउवार, स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट, दिल्ली
जर्मन ग्रीयर, बधिया स्त्री, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
शरण कुमार लिंबाले, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
श्यौराज सिंह बेचैन (संपा.), सामजिक न्याय और दलित साहित्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सुमन राजे, हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
हरिराम मीणा, आदिवासी दुनिया, भारतीय पुस्तक न्यास, दिल्ली